an>

Title: Need to establish a Saink School in Barmer district of Rajasthan.

कर्नल सोनाराम चौधरी (बाड़मेर) ः मेरा संसदीय क्षेत्र बाड़मेर (राजस्थान) भौगोलिक रूप से विकट है और आर्थिक एवं शिक्षा के क्षेत्र में बहुत पिछड़ा हुआ है। इसका भौगोलिक क्षेत्रफल 56,779 वर्ग कि.मी. एवं जनसंख्या 32,73,660 है। साक्षारता एवं शिक्षा के आंकड़े देखें तो देश में जालोर के बाद दूसरा जिला बाड़मेर एवं जैसलमेर है जो शिक्षा में पिछड़े हैं। बाड़मेर एवं जैसलमेर जिलों की लगभग 560 कि.मी. की अंतर्राष्ट्रीय सीमा पड़ोसी देश पाकिस्तान से लगती है। इतिहास गवाह है कि राजस्थान की धरा वीरप्रसूता है। यहां से कई वीर यौद्धा पैदा हुए हैं। वर्तमान में देश की थल, नभ एवं वायुसेना में इस क्षेत्र के कई सैनिक सेवारत हैं और कई सेवानिवृत सैनिक एवं उनकी विधवा हैं। जैसलमेर में शेरगढ़ एवं झुंझनू जिले में सर्वाधिक सैनिक हैं। इसमें हमारे देश के सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ का मुख्य योगदान है। मेरा निवेदन है कि बाड़मेर और जैसलमेर से वर्तमान में 3,700 पूर्व सैनिक, 1,045 सैनिकों की विधवाएं हैं एवं लगभग 25 से 30 हजार सैनिक देश की विभिन्न सेनाआंो में वर्तमान में सेवारत हैं। बाड़मेर, जालीफा, जसाईफ हमीरा, जैसलमेर में आर्मी के कैम्पस हैं। डाबला, बाड़मेर, जैसलमेर में बी.एस.एफ. के कैम्पस हैं। इसी के साथ उतरलाई एवं जैसलमेर में एयरफोर्स के स्टेशन हैं। इन सभी स्थितियों को देखते हुए यहां के युवाओं एवं उनके अभिभावकों की भावना रहती है कि उनको बच्चों को सैनिक की शिक्षा दिलवाई जाए। पिछले लंबे समय से बाड़मेर जिले में चित्तौड़गढ़ जैसा सैनिक विद्यालय खोले जाने की मांग की जा रही है। सैनिक विद्यालयें का संचालन का आर्थिक भार प्रदेश की सरकार वहन करती है।

मेरा निवेदन प्रधानमंत्री जी एवं रक्षा मंत्री जी से है कि बाड़मेर जिले में पर्याप्त संसाधनों एवं मांग को ध्यान में रखते हुए एक सैनिक विद्यालय स्वीकृत कराने की महती कृपा करायें ताकि शिक्षा में पिछड़े इस क्षेत्र के बच्चों को देश सेवा के साथ ही रोज़गार परक शिक्षा मिल सके।